


---

Vinayaka Ashtakam

——  
विनायकाष्टकम्

——  
Document Information



---

Text title : Vinayaka Ashtakam

File name : vinAyakAShTakam.itx

Category : ganesha, aShTaka

Location : doc\_ganesha

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Latest update : September 29, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose. Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

September 29, 2019

*sanskritdocuments.org*

---



विनायकाष्टकम्



एकदन्तमीशपुत्रमाखुवाहमीश्वरं  
विघ्नसङ्घ्वान्तसूर्यमन्तरायनायकम् ।  
अच्युताद्यशेषदेवपूजिताङ्घ्रिपङ्कजं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ १ ॥

कामरूपधारिणं नागयज्ञसूत्रिणं  
कुङ्कुमोत्थकायकान्तिशोभितं वराननम् ।  
काञ्चनाभिभास्वरं च वासवादिवन्दितं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ २ ॥

नन्दिवाहनन्दने सुरेन्द्रनाथवन्दितं  
नन्दिभृङ्गिनन्दनाथनारदादिनृत्यकम् ।  
नन्दगोपनागराजपूर्वकैर्मस्कृतं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ३ ॥

सर्पवेष्टितोदरं च सर्पमालधारिणं  
शङ्करादिपूजितं शिवात्मजं सुखात्मकम् ।  
सावधानताकरं सरस्वतीप्रदायकं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ४ ॥

विघ्नमत्तनागसिंहमुग्रनेत्रनासिकं  
विघ्नमेघजालनाशकारिचण्डमारुतम् ।  
विघ्नदाववह्निवारिवारिवारिवाहकं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ५ ॥

विघ्नसिन्धुवाडवाग्निमिन्दुखण्डमण्डितं  
विघ्नगोपमष्टसिद्धियुक्तभक्तसेवितम् ।  
शूर्पकर्णवक्रतुण्डकुम्भगण्डशोभितं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ६ ॥

दक्षयक्षपक्षिमुख्यरक्षिताङ्घ्रियुग्मकं  
भुक्तिमुक्तियुक्तिशान्तियुक्तपूजितं विभुम् ।  
देवदेववंशवृद्धिसिद्धिसाधकं मुदा  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ७ ॥

देवदैत्ययोगिसिद्धचारणाभिसेवितं  
सर्पखेटभूजभूतसङ्घसाधुवेष्टितम् ।  
ईप्सितार्थदायकं विशेषकर्मकारकं  
विघ्नशैलवज्रिणं विनायकं नमाम्यहम् ॥ ८ ॥

श्रीविनायकाष्टकं हि शङ्करेण निर्मितं  
शङ्करस्य सौख्यदं भक्तविघ्ननाशकम् ।  
ये पठन्ति सादरं समस्तसिद्धिदं स्तवं  
ते त्वभीष्टसिद्धिपात्रभावमाम्नुवन्ति शम् ॥ ९ ॥

इति विनायकाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

---

—  
*Vinayaka Ashtakam*

pdf was typeset on September 29, 2019

—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

